चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	31.8.25	4	5-6

सहजन और कढ़ी पत्ता है स्वास्थ्य के लिए एक अनमोल उपहार : प्रो. बीआर काम्बोज

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज औषधीय पौधे वितरित करते हुए • जागरण

जागरण संवाददाता हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सभी घरों में औषधीय पौधों को बढ़ावा देने के लिए सहजन (मोरिंगा) एवं कढ़ी पत्ता के पौधे वितरित किए गए। वानिकी विभाग द्वारा आयोजित किए गए इस समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि सहजन और कढ़ी पत्ता स्वास्थ्य के लिए अनमोल उपहार हैं। भागदौड़ भरी जिंदगी व पर्यावरण प्रदूषण से लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। जिसके कारण विभिन्न प्रकार की बीमारियां हो रही हैं। स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए औषधियों के प्रति परंपरागत ज्ञान को दोबारा अपनाना जरूरी हो गया है। उन्होंने बताया कि सहजन का हर हिस्सा महत्वपूर्ण पोषक तत्वों का खजाना होता है। इसकी पत्तियां खनिजों जैसे कैल्शियम, पोटेशियम, जिंक, मैग्नीशियम, आयरन और तांबा से भरपूर होती हैं, जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। सहजन में विटामिन ए के रूप में बीटा-कारोटीन, विटामिन बी जैसे फालिक एसिड, पायरिडोक्सिन और निकोटिनिक एसिड, विटामिन सी, डी और ई भी पाए जाते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए गुणकारी हैं। सहजन की फली फाइबर युक्त होती हैं और पाचन समस्याओं के इलाज में सहायक होती हैं। अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने बताया कि कढ़ी पत्ता एक महत्वपूर्ण सुगंधित एवं बहुउपयोगी पौधा है, जिसका उपयोग विशेष रूप से भारतीय व्यंजनों में स्वाद और सुगंध बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसमें प्रोटीन, विटामिन ए,बी,सी, कैल्शियम और आयरन जैसे पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। पारंपरिक चिकित्सा में इसका उपयोग मधुमेह, पाचन विकार, कोलेस्ट्राल नियंत्रण और संक्रमणों के उपचार में किया जाता है। अपने पोषण, औषधीय और आर्थिक महत्व के कारण यह पौधा स्वास्थ्य एवं जीवनशैली दोनों के लिए अत्यंत उपयोगी माना जाता है।

वानिकी विभागाध्यक्ष डा. संदीप आर्य ने बताया कि मोरिंगा और कढ़ी पत्ता के पौधे औषधीय गुणों से भरपूर हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार सहजन में संतरे से अधिक विटामिन सी, गाजर से अधिक विटामिन ए, दूध से अधिक कैल्शियम, दही से अधिक प्रोटीन, केले से अधिक पोटेशियम और पालक से अधिक आयरन पाया जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	31.8.25	2	2-4

सहजन व कढ़ी पत्ता स्वास्थ्य के लिए उपहार

एचएयू के क्वार्टरों में बांटे औषधीय पौधे, मुख्यातिथि के रूप में पहुंचे वीसी

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सभी क्वार्टरों में शनिवार को औषधीय पौधों को बढ़ावा देने के लिए सहजन (मोरिंगा) एवं कढ़ी पत्ता के पौधे वितरित किए गए। वानिकी विभाग की ओर से आयोजित किए गए इस समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में रहने वाले नागरिकों से पौधों को अपने घरों में लगाने का आह्वान किया।

कुलपति ने अपने कहा कि सहजन और कढ़ी पत्ता स्वास्थ्य के लिए अनमोल उपहार हैं। भागदौड़ भरी जिंदगी व पर्यावरण प्रदूषण से लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। इसके कारण विभिन्न प्रकार की बीमारियां हो रही हैं।

औषधीय पौधे वितरित करते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। स्रोत : संस्थान

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि कढ़ी पत्ता एक महत्वपूर्ण सुगंधित एवं बहुउपयोगी पौधा है, जिसका उपयोग विशेष रूप से भारतीय व्यंजनों में स्वाद और सुगंध बढ़ाने के लिए किया जाता है। वानिकी विभागाध्यक्ष डॉ. संदीप आर्य ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि मोरिंगा और कढ़ी पत्ता के पौधे औषधीय गुणों से भरपूर हैं।

इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, गैर शिक्षक कर्मचारी, वानिकी विभाग के कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	31.8.25	5	1-3

सहजन व कढ़ी पत्ता स्वास्थ्य के लिए अनमोल उपहार : प्रो. काम्बोज

हकृवि के सभी घरों में औषधीय पौधे लगाने के लिए वानिकी विभाग द्वारा कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 30 अगस्त (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सभी घरों में औषधीय पौधों को बढ़ावा देने के लिए सहजन (मोरिंगा) एवं कढ़ी पत्ता के पौधे वितरित किए गए। वानिकी विभाग द्वारा आयोजित किए गए इस समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में रहने वाले नागरिकों से उपरोक्त किस्मों के पौधों को अपने घरों में लगाने का आह्वान किया। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि सहजन और कढ़ी पत्ता स्वास्थ्य के लिए अनमोल उपहार हैं। भागदौड़ भरी जिंदगी व पर्यावरण प्रदूषण से लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। जिसके कारण विभिन्न प्रकार की बीमारियां हो रही हैं। स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए औषधियों के प्रति परंपरागत ज्ञान को दोबारा अपनाना जरूरी हो गया है। उन्होंने बताया कि सहजन का हर हिस्सा महत्वपूर्ण पोषक तत्वों का खजाना होता है। पारंपरिक चिकित्सा में इसका उपयोग मधुमेह, पाचन विकार, कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण और संक्रमणों के उपचार में किया जाता है। अपने पोषण, औषधीय और आर्थिक महत्व के कारण यह पौधा स्वास्थ्य एवं जीवनशैली दोनों के लिए अत्यंत उपयोगी माना जाता है। वानिकी विभागाध्यक्ष डॉ. संदीप आर्य ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि मोरिंगा और कढ़ी पत्ता के पौधे औषधीय गुणों से भरपूर हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार सहजन में संतरे से अधिक विटामिन सी, गाजर से अधिक विटामिन ए, दूध से अधिक कैल्शियम, दही से अधिक प्रोटीन, केले से अधिक पोटेशियम और पालक से अधिक आयरन पाया जाता है। कार्यक्रम में ओल्ड कैंपस के लोगों ने भी बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, गैर शिक्षक कर्मचारी, वानिकी विभाग के कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज औषधीय पौधे वितरित करते हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	31.8.25	10	3-8

हकृवि के सभी घरों में औषधीय पौधे लगाने के लिए किया प्रेरित

स्वास्थ्य के लिए सहजन व कढ़ी पत्ता अनमोल उपहार

- भागदौड़ भरी जिंदगी व पर्यावरण प्रदूषण से लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज औषधीय पौधे वितरित करते हुए।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सभी घरों में औषधीय पौधों को बढ़ावा देने के लिए सहजन (मोरिंगा) एवं कढ़ी पत्ता के पौधे वितरित किए गए। वानिकी विभाग द्वारा आयोजित किए गए इस समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में रहने वाले नागरिकों से उपरोक्त किस्मों के पौधों को अपने घरों में लगाने का आह्वान किया।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि सहजन और कढ़ी पत्ता स्वास्थ्य के लिए अनमोल उपहार हैं। भागदौड़ भरी जिंदगी व पर्यावरण प्रदूषण से लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है जिसके कारण विभिन्न प्रकार की बीमारियां हो रही हैं। सहजन में विटामिन ए के रूप में बीटा-कारोटीन, विटामिन बी जैसे फॉलिक एसिड, पायरिडोक्सिन और निकोटिनिक एसिड, विटामिन सी, डी और ई भी पाए जाते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए गुणकारी हैं।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि कढ़ी पत्ता एक महत्वपूर्ण सुगंधित एवं बहुउपयोगी पौधा है; जिसका उपयोग विशेष रूप से भारतीय व्यंजनों में स्वाद और सुगंध बढ़ाने के लिए किया जाता है। वानिकी विभागाध्यक्ष डॉ. संदीप आर्य ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि मोरिंगा और कढ़ी पत्ता के पौधे औषधीय गुणों से भरपूर हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार सहजन में संतरे से अधिक विटामिन सी, गाजर से अधिक विटामिन ए, दूध से अधिक कैल्शियम, दही से अधिक प्रोटीन, केले से अधिक पोटेशियम और पालक से अधिक आयरन पाया जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	31.8.25	6	1

सहजन और कढ़ी पत्ता स्वास्थ्य के लिए अनमोल उपहार : प्रो. काम्बोज

हिसार | हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सभी घरों में औषधीय पौधों को बढ़ावा देने के लिए सहजन (मोरिंगा) एवं कढ़ी पत्ता के पौधे वितरित किए गए। वानिकी विभाग द्वारा आयोजित किए गए इस समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर. काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में रहने वाले नागरिकों से उपरोक्त किस्मों के पौधों को अपने घरों में लगाने का आह्वान किया। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा सहजन और कढ़ी पत्ता स्वास्थ्य के लिए अनमोल उपहार हैं। भागदौड़ भरी जिंदगी व पर्यावरण प्रदूषण से लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। जिसके कारण विभिन्न प्रकार की बीमारियां हो रही हैं। इसकी पत्तियां खनिजों जैसे कैल्शियम, पोटेशियम, जिंक, मैग्नीशियम, आयरन और तांबा से भरपूर होती हैं, जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कढ़ी पत्ता एक महत्वपूर्ण सुगंधित एवं बहुउपयोगी पौधा है, जिसका उपयोग विशेष रूप से भारतीय व्यंजनों में स्वाद और सुगंध बढ़ाने के लिए किया जाता है। भी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, गैर शिक्षक कर्मचारी, वानिकी विभाग के कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार,
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग न्यूज	30.08.2025	--	--

सहजन और कढ़ी पत्ता स्वास्थ्य के लिए अनमोल उपहार : प्रो. काम्बोज

नभ-छोर न्यूज ⏭ 30 अगस्त

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सभी घरों में औषधीय पौधों को बढ़ावा देने के लिए सहजन (मोरिंगा) एवं कढ़ी पत्ता के पौधे वितरित किए गए। वानिकी विभाग द्वारा आयोजित किए गए इस समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में रहने वाले नागरिकों से उपरोक्त किस्मों के पौधों को अपने घरों में लगाने का आह्वान किया। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि सहजन और कढ़ी पत्ता स्वास्थ्य के लिए अनमोल उपहार हैं। भागदौड़ भरी जिंदगी व पर्यावरण प्रदूषण से लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। जिसके कारण विभिन्न प्रकार की बीमारियां हो रही हैं। स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए औषधियों के प्रति परंपरागत ज्ञान को दोबारा अपनाना जरूरी हो गया है। उन्होंने बताया कि सहजन का हर हिस्सा महत्वपूर्ण पोषक तत्वों का खजाना होता है। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि कढ़ी पत्ता एक महत्वपूर्ण सुगंधित एवं बहुउपयोगी पौधा है, जिसका उपयोग विशेष रूप से भारतीय व्यंजनों में स्वाद और सुगंध बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसमें प्रोटीन, विटामिन ए, बी, सी, कैल्शियम और आयरन जैसे पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। वानिकी विभागाध्यक्ष डॉ. संदीप आर्य ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि मोरिंगा और कढ़ी पत्ता के पौधे औषधीय गुणों से भरपूर हैं। शोधकताओं के अनुसार सहजन में संतरे से अधिक विटामिन सी, गाजर से अधिक विटामिन ए, दूध से अधिक कैल्शियम, दही से अधिक प्रोटीन, केले से अधिक पोटेशियम और पालक से अधिक आयरन पाया जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	31.08.2025	--	--

सहजन और कढ़ी पत्ता स्वास्थ्य के लिए अनमोल उपहार- प्रो. बी.आर. काम्बोज

हकृवि के सभी घरों में औषधीय पौधे लगाने के लिए वानिकी विभाग द्वारा कार्यक्रम आयोजित

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 31 अगस्त : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सभी घरों में औषधीय पौधों को बढ़ावा देने के लिए सहजन (मोरिगा) एवं कढ़ी पत्ता के पौधे वितरित किए गए। वानिकी विभाग द्वारा आयोजित किए गए इस समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में रहने वाले नागरिकों से उपरोक्त किस्मों के पौधों को अपने घरों में लगाने का आह्वान किया। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि सहजन और कढ़ी पत्ता स्वास्थ्य के लिए अनमोल उपहार हैं। भागदौड़ भरी जिंदगी व पर्यावरण प्रदूषण से लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। जिसके कारण विभिन्न प्रकार की बीमारियां हो रही हैं। स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए औषधियों के प्रति परंपरागत ज्ञान को दोबारा अपनाना जरूरी हो गया है। उन्होंने बताया कि सहजन का हर हिस्सा महत्वपूर्ण पोषक तत्वों का खजाना होता है। इसकी पत्तियाँ खनिजों जैसे कैल्शियम, पोटेशियम, जिंक, मैग्नीशियम, आयरन और तांबा से भरपूर होती हैं, जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। सहजन में विटामिन ए के रूप में बीटा-कारोटीन, विटामिन बी जैसे फॉलिक एसिड, पायरिडोक्सिन और निकोटिनिक एसिड, विटामिन सी, डी और ई भी पाए जाते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए गुणकारी हैं। सहजन की फली फाइबर युक्त होती हैं और पाचन समस्याओं के इलाज में सहायक होती हैं। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि कढ़ी पत्ता एक महत्वपूर्ण सुगंधित एवं बहुउपयोगी पौधा है, जिसका उपयोग विशेष रूप से भारतीय व्यंजनों में स्वाद और सुगंध बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसमें प्रोटीन, विटामिन ए,बी,सी, कैल्शियम और आयरन जैसे पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। पारंपरिक चिकित्सा में इसका उपयोग मधुमेह, पाचन विकार, कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण और संक्रमणों के उपचार में किया जाता है। अपने पोषण, औषधीय और आर्थिक महत्व के कारण यह पौधा स्वास्थ्य एवं जीवनशैली दोनों के लिए अत्यंत उपयोगी माना जाता है।

वानिकी विभागाध्यक्ष डॉ. संदीप आर्य ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि मोरिगा और कढ़ी पत्ता के पौधे औषधीय गुणों से भरपूर हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार सहजन में संतरे से अधिक विटामिन सी, गाजर से अधिक विटामिन ए, दूध से अधिक कैल्शियम, दही से अधिक प्रोटीन, केले से अधिक पोटेशियम और पालक से अधिक आयरन पाया जाता है। कार्यक्रम में ओल्ड कैंपस के लोगों ने भी बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, गैर शिक्षक कर्मचारी, वानिकी विभाग के कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार,
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
डेमोक्रेटिक फ्रंट	30.08.2025	--	--

सहजन और कढ़ी पत्ता स्वास्थ्य के लिए अनमोल उपहार : प्रो. बी.आर. काम्बोज

-हकृवि के सभी घरों में औषधीय पौधे लगाने के लिए वानिकी विभाग द्वारा कार्यक्रम आयोजित

डेमोक्रेटिक फ्रंट हिसार/पवन सैनी. चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सभी घरों में औषधीय पौधों को बढ़ावा देने के लिए सहजन (मोरिंगा) एवं कढ़ी पत्ता के पौधे वितरित किए गए। वानिकी विभाग द्वारा आयोजित किए गए इस समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में रहने वाले नागरिकों से उपरोक्त किस्मों के पौधों को अपने घरों में लगाने का आह्वान किया। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि सहजन और कढ़ी पत्ता स्वास्थ्य के लिए अनमोल उपहार हैं। भागदौड़ भरी जिंदगी व पर्यावरण प्रदूषण से लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। जिसके कारण विभिन्न प्रकार की बीमारियां हो रही हैं। स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए औषधियों के प्रति परंपरागत ज्ञान को दोबारा अपनाना जरूरी हो गया है। उन्होंने बताया कि सहजन का हर हिस्सा महत्वपूर्ण पोषक तत्वों का खजाना होता है। इसकी पत्तियाँ खनिजों जैसे कैल्शियम, पोटेशियम, जिंक, मैग्नीशियम, आयरन और तांबा से भरपूर होती हैं, जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। सहजन में विटामिन ए के रूप में बीटा-कारोटीन, विटामिन बी जैसे फॉलिक एसिड, पायरिडोक्सिन और निकोटिनिक एसिड, विटामिन सी, डी और ई भी पाए जाते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए गुणकारी हैं। सहजन की फली फाइबर युक्त होती हैं और पाचन समस्याओं के इलाज में सहायक होती हैं।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि कढ़ी पत्ता एक महत्वपूर्ण सुगंधित एवं बहुउपयोगी पौधा है, जिसका उपयोग विशेष रूप से भारतीय व्यंजनों में स्वाद और सुगंध बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसमें प्रोटीन, विटामिन ए,बी,सी, कैल्शियम और आयरन जैसे पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। पारंपरिक चिकित्सा में इसका उपयोग मधुमेह, पाचन विकार, कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण और संक्रमणों के उपचार में किया जाता है। अपने पोषण, औषधीय और आर्थिक महत्व के कारण यह पौधा स्वास्थ्य एवं जीवनशैली दोनों के लिए अत्यंत उपयोगी माना जाता है।

वानिकी विभागाध्यक्ष डॉ. संदीप आर्य ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि मोरिंगा और कढ़ी पत्ता के पौधे औषधीय गुणों से भरपूर हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार सहजन में संतरे से अधिक विटामिन सी, गाजर से अधिक विटामिन ए, दूध से अधिक कैल्शियम, दही से अधिक प्रोटीन, केले से अधिक पोटेशियम और पालक से अधिक आयरन पाया जाता है। कार्यक्रम में ओल्ड कैंपस के लोगों ने भी बढ़ चढ़ ?र भाग लिया। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, गैर शिक्षक कर्मचारी, वानिकी विभाग के कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार,
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
गुड़गांव मेल	30.08.2025	--	--

सहजन और कढ़ी पत्ता स्वास्थ्य के लिए अनमोल उपहार : प्रो. काम्बोज

सुरेंद्र नारंग / गुड़गांव मेल

हिसार, 30 अगस्त। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सभी घरों में औषधीय पौधों को बढ़ावा देने के लिए सहजन (मोरिंगा) एवं कढ़ी पत्ता के पौधे वितरित किए गए। वानिकी विभाग द्वारा आयोजित किए गए इस समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में रहने वाले नागरिकों से उपरोक्त किस्मों के पौधों को अपने घरों में लगाने का आह्वान किया।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि सहजन और कढ़ी पत्ता स्वास्थ्य के लिए अनमोल उपहार हैं। भागदौड़ भरी जिंदगी व पर्यावरण प्रदूषण से लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। जिसके कारण विभिन्न प्रकार की बीमारियां हो रही हैं। स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए औषधियों के प्रति परंपरागत ज्ञान को दोबारा अपनाना जरूरी हो गया है। उन्होंने बताया कि सहजन का हर हिस्सा महत्वपूर्ण पोषक तत्वों का खजाना होता है। इसकी पत्तियां खनिजों जैसे कैल्शियम, पोटेशियम, जिंक, मैग्नीशियम, आयरन और तांबा से भरपूर होती हैं, जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। सहजन में विटामिन ए के रूप में बीटा-कारोटीन, विटामिन बी जैसे फॉलिक एसिड, पायरिडोक्सिन और निकोटिनिक एसिड, विटामिन सी, डी और ई भी पाए जाते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए गुणकारी हैं। सहजन की फली फाइबर युक्त होती हैं और पाचन समस्याओं के इलाज में सहायक होती हैं। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि कढ़ी पत्ता एक महत्वपूर्ण सुगंधित एवं बहुउपयोगी पौधा है।

वानिकी विभागाध्यक्ष डॉ. संदीप आर्य ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि मोरिंगा और कढ़ी पत्ता के पौधे औषधीय गुणों से भरपूर हैं। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, गैर शिक्षक कर्मचारी, वानिकी विभाग के कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार,
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग न्यूज	30.08.2025	--	--

कार्यक्रम हकृवि के सभी घरों में औषधीय पौधे लगाने के लिए वानिकी विभाग की ओर से कार्यक्रम आयोजित

सहजन और कढ़ी पत्ता स्वास्थ्य के लिए अनमोल उपहार : प्रो. काम्बोज

कहा-स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए औषधियों के प्रति परंपरागत ज्ञान को दोबारा अपनाना जरूरी हो गया है

जगमार्ग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सभी घरों में औषधीय पौधों को बढ़ावा देने के लिए सहजन (मोरिंगा) एवं कढ़ी पत्ता के पौधे वितरित किए गए। वानिकी विभाग द्वारा आयोजित किए गए इस समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में रहने वाले नागरिकों से उपरोक्त किस्मों के पौधों को अपने घरों में लगाने का आह्वान किया।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि सहजन और कढ़ी पत्ता स्वास्थ्य के लिए अनमोल उपहार हैं। भागदौड़ भरी जिंदगी व पर्यावरण प्रदूषण से लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। जिसके कारण विभिन्न प्रकार की बीमारियां हो रही हैं। स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए औषधियों के प्रति परंपरागत ज्ञान को दोबारा अपनाना जरूरी हो गया है। उन्होंने बताया कि सहजन का हर हिस्सा महत्वपूर्ण पोषक तत्वों का खजाना होता है। इसकी पत्तियाँ खनिजों जैसे कैल्शियम, पोटेशियम, जिंक, मैग्नीशियम, आयरन और तांबा से भरपूर होती हैं, जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। सहजन में विटामिन ए के रूप में बीटा-कारोटीन, विटामिन बी जैसे फॉलिक एसिड, पायरिडोक्सिन और निकोटिनिक एसिड, विटामिन सी, डी और ई भी पाए जाते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए गुणकारी हैं। सहजन की फली फाइबर युक्त होती है और पाचन समस्याओं के इलाज में सहायक होती है।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि कढ़ी पत्ता एक महत्वपूर्ण सुगंधित एवं बहुउपयोगी पौधा है, जिसका उपयोग विशेष रूप से भारतीय व्यंजनों में स्वाद और सुगंध बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसमें प्रोटीन, विटामिन ए,बी,सी, कैल्शियम और आयरन जैसे पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। पारंपरिक चिकित्सा में इसका उपयोग मधुमेह, पाचन विकार, कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण और संक्रमणों के उपचार में किया जाता है। अपने पोषण, औषधीय और आर्थिक महत्व के कारण यह पौधा स्वास्थ्य एवं जीवनशैली दोनों के लिए अत्यंत उपयोगी माना जाता है। वानिकी विभागाध्यक्ष डॉ. संदीप आर्य ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि मोरिंगा और कढ़ी पत्ता के पौधे औषधीय गुणों से भरपूर हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार सहजन में संतरे से अधिक विटामिन सी, गाजर से अधिक विटामिन ए, दूध से अधिक कैल्शियम, दही से अधिक प्रोटीन, केले से अधिक पोटेशियम और पालक से अधिक आयरन पाया जाता है।